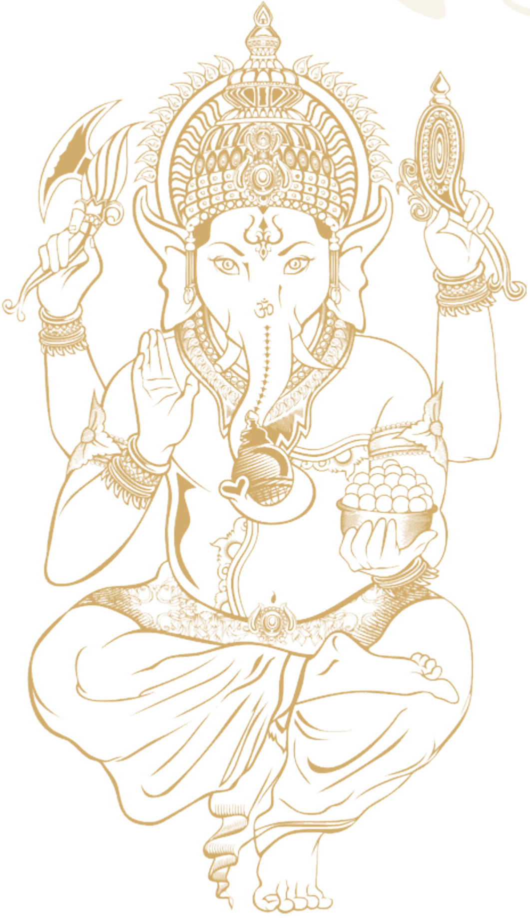

Mukesh Jatav

08 Sep 1981

01:30 AM

Bhopal

Model: web-freekundliweb   Order No: 121429502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/09/1981**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	48:34:44 घटी
स्थान	**Bhopal**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:17:00 उत्तर
रेखांश	77:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:09:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:54 घंटे
साम्पातिक काल	00:17:06 घंटे
सूर्योदय	06:04:06 घंटे
सूर्यास्त	18:31:54 घंटे
दिनमान	12:27:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:29:42 सिंह
लग्न के अंश	19:54:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:54:30	319:09:42	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	21:29:42	00:58:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			धनु	05:29:43	12:03:20	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	10:03:00	00:37:51	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			कन्या	13:38:51	01:25:47	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			कन्या	19:26:17	00:12:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	00:24:07	01:10:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	15:49:21	00:06:56	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			कर्क	07:11:49	00:01:07	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	07:11:49	00:01:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	02:57:38	00:01:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप			वृश्चि	28:29:41	00:00:09	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			कन्या	29:09:57	00:02:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			मीन	11:03:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:50

लग्न-चलित

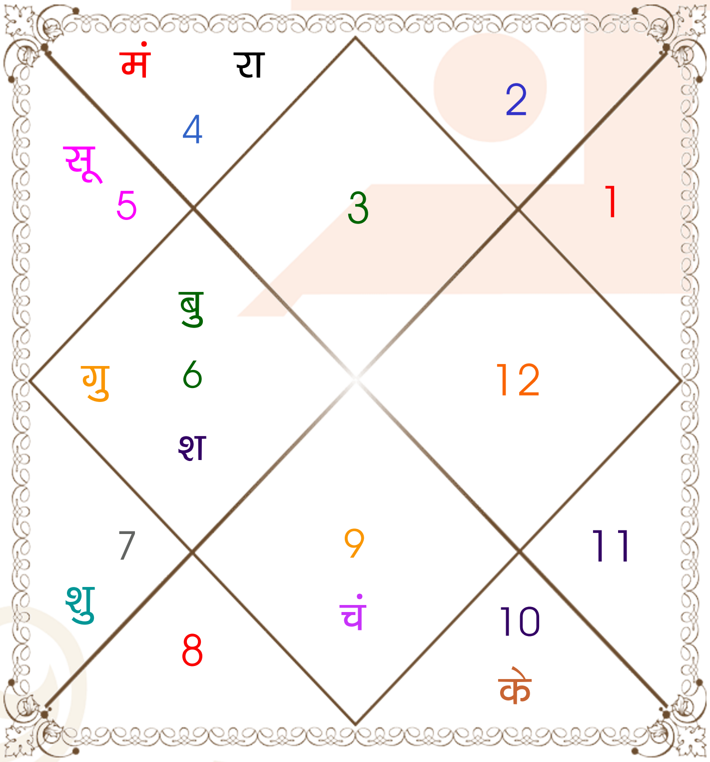

चन्द्र कुंडली

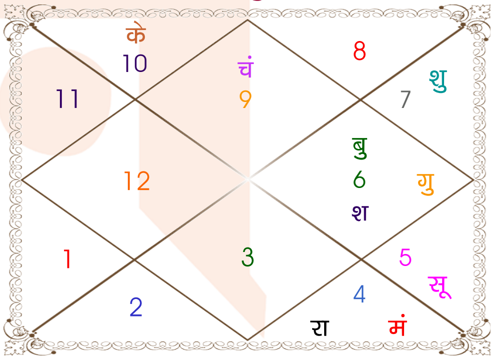

नवमांश कुंडली

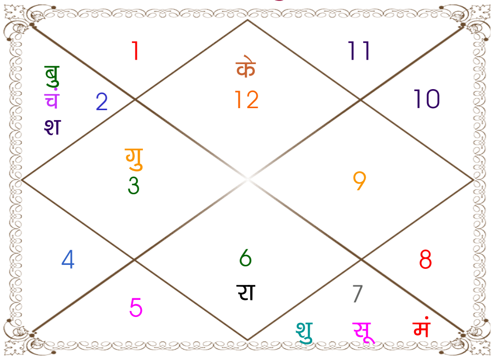

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/09/1981		20/10/1985		20/10/2005		20/10/2011		20/10/2021	
20/10/1985		20/10/2005		20/10/2011		20/10/2021		19/10/2028	
	00/00/0000	शुक्र	18/02/1989	सूर्य	06/02/2006	चंद्र	19/08/2012	मंगल	18/03/2022
	00/00/0000	सूर्य	18/02/1990	चंद्र	08/08/2006	मंगल	20/03/2013	राहु	05/04/2023
	00/00/0000	चंद्र	20/10/1991	मंगल	14/12/2006	राहु	19/09/2014	गुरु	11/03/2024
	08/09/1981	मंगल	19/12/1992	राहु	07/11/2007	गुरु	19/01/2016	शनि	20/04/2025
मंगल	19/09/1981	राहु	20/12/1995	गुरु	25/08/2008	शनि	20/08/2017	बुध	17/04/2026
राहु	08/10/1982	गुरु	20/08/1998	शनि	07/08/2009	बुध	19/01/2019	केतु	13/09/2026
गुरु	14/09/1983	शनि	20/10/2001	बुध	14/06/2010	केतु	20/08/2019	शुक्र	13/11/2027
शनि	22/10/1984	बुध	19/08/2004	केतु	20/10/2010	शुक्र	20/04/2021	सूर्य	20/03/2028
बुध	20/10/1985	केतु	20/10/2005	शुक्र	20/10/2011	सूर्य	20/10/2021	चंद्र	19/10/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/10/2028		20/10/2046		20/10/2062		20/10/2081		20/10/2098	
20/10/2046		20/10/2062		20/10/2081		20/10/2098		00/00/0000	
राहु	02/07/2031	गुरु	07/12/2048	शनि	23/10/2065	बुध	17/03/2084	केतु	18/03/2099
गुरु	25/11/2033	शनि	20/06/2051	बुध	02/07/2068	केतु	14/03/2085	शुक्र	18/05/2100
शनि	01/10/2036	बुध	25/09/2053	केतु	11/08/2069	शुक्र	13/01/2088	सूर्य	23/09/2100
बुध	20/04/2039	केतु	01/09/2054	शुक्र	10/10/2072	सूर्य	19/11/2088	चंद्र	24/04/2101
केतु	08/05/2040	शुक्र	02/05/2057	सूर्य	22/09/2073	चंद्र	20/04/2090	मंगल	09/09/2101
शुक्र	09/05/2043	सूर्य	18/02/2058	चंद्र	23/04/2075	मंगल	17/04/2091		00/00/0000
सूर्य	01/04/2044	चंद्र	20/06/2059	मंगल	01/06/2076	राहु	04/11/2093		00/00/0000
चंद्र	01/10/2045	मंगल	26/05/2060	राहु	08/04/2079	गुरु	10/02/2096		00/00/0000
मंगल	20/10/2046	राहु	20/10/2062	गुरु	20/10/2081	शनि	20/10/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।